कालीसिन्ध सुपर थर्मल पॉवर परियोजना की पहली इकाई में बॉयलर ड्रम स्थापित

झालावाड जिले में निर्माणाधीन 'कालीसिन्ध सुपर थर्मल पावर परियोजना' में 600 मेगावाट की पहली इकाई के 211 टन वजन के बॉयलर ड्रम को 75.65 मीटर की ऊँचाई पर 19 मई को स्थापित कर दिया गया है। यह परियोजना के निर्माण कार्य की महत्वपूर्ण गतिविधि है।

परियोजना के प्रथम चरण में 600–600 मेगावाट क्षमता की दो इकाइयां स्थापित की जा रही है जिनका निर्माण कार्य तेजी से करवाया जा रहा है। 5500 करोड रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना की पहली इकाई के अक्टूबर 2011 से तथा दूसरी इकाई में जनवरी 2012 से विद्युत उत्पादन शुरु करने का लक्ष्य है।

'बॉयलर ड्रम लिफ्टिंग' के अवसर पर राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक डा. एस.के.कल्ला, निगम के निदेशक परियोजना श्री पी.एन.सिंहल, मुख्य अभियंता श्री यू.सी.शर्मा एवं मैसर्स बी जी आर के प्रबन्ध निदेशक श्री टी. शंकरलिंगम, सीनियर वाईस प्रेसीडेंट श्री कंडास्वामी, वाईस प्रेसीडेंट के.सी. पाणिग्रही व वी.एस.वी. राव तथा टाटा कंसल्टेन्सी के प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर जामी सत्यनारायण उपस्थित थे।

प्रथम इकाई के बॉयलर के ड्रम को स्ट्रेन्ड जैक पध्दति से सफलतापूर्वक 75.65 मीटर की ऊँचाई पर स्थापित कर दिया गया है। इस ड्रम का कुल वजन 211 टन है तथा इसकी लंबाई 26.98 मीटर और बाहरी व आंतरिक व्यास क्रमशः 2.09 एवं 1.8 मीटर है। इसकी दीवारो की मोटाई 145 मिलीमीटर है। उन्होंने बताया कि बॉयलर ड्रम लिफ्टिंग के बाद पहली इकाई के शेष प्रैशर पार्ट्स की स्थापना का कार्य हाथ में लिया जा रहा है। अब तक इस इकाई के बॉयलर, में 3800 टन स्ट्रक्चर स्थापित किया जा चुका है।

इस परियोजना के मुख्य निर्माण कार्य मैसर्स बी जी आर इनर्जी सिस्टम, चेन्नई द्वारा किए जा रहे है। दोनो इकाइयों के बॉयलर, ईएसपी, मुख्य संयंत्र भवन, चिमनी, कूलिंग टावर, स्विचयार्ड व रॉ वाटर रिजर्वायर आदि का निर्माण निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रगति पर है।

रामगंजमंडी से झालावाड के मध्य भारतीय रेलवे द्वारा रेल लाईन बिछाई जा रही है तथा झालावाड में मुख्य रेल लाईन से परियोजना स्थल तक लगभग 10 किलोमीटर लंबी निजी रेलवे साइडिंग का कार्य विद्युत उत्पादन निगम ने भारतीय रेलवे की सहायक कंपनी इरिकॉन इन्टरनेशनल को दिया है जिन्होंने इस पर कार्य शुरु कर दिया है।

——